

History of Computer in Hindi PDF Notes Download by TutorialInHindi.com

इस लेख "History of Computer in Hindi" में, समझें भारत में कंप्यूटर का इतिहास क्या है और इसकी शुरुआत कैसे हुई। कंप्यूटर का पूरा इतिहास जानें।

[Md Badiruddin](#) दिसम्बर 5, 2023

History of Computer in Hindi: 1820 के दशक की शुरुआत में, [कंप्यूटर चार्ल्स बैबेज](#) द्वारा डिजाइन किया गया था, जिन्हें "आधुनिक कंप्यूटर का जनक" कहा जाता है। यह एक यांत्रिक (mechanical) कंप्यूटर था जो सरल गणनाएँ कर सकता था।

कंप्यूटर का इतिहास 19वीं शताब्दी की शुरुआत में आदिम डिजाइनों के साथ शुरू हुआ और 20वीं शताब्दी के दौरान दुनिया को बदल कर रख दिया।

क्या आप जानते हैं कि भारत में कंप्यूटर का इतिहास क्या है? यदि नहीं, तो यह लेख आपके लिए है। इस लेख में, आप **कंप्यूटर का इतिहास** क्या है और कंप्यूटर किसने और कैसे विकसित की गई है जानेंगे।

नोट: इस लेख को शुरू करने से पहले, [कंप्यूटर के बारे में बेसिक \(Basics of computer\)](#) जानें जैसे [कंप्यूटर क्या है](#) और सभी।

History of Computer in Hindi – कंप्यूटर

का इतिहास

कंप्यूटर का इस्तेमाल सबसे पहले 16वीं शताब्दी में एक ऐसे व्यक्ति के लिए किया गया था जो गणना करता था, यानी गणना करता था।

कंप्यूटर का इतिहास 1935 से पहले, "कंप्यूटर" शब्द एक ऐसे व्यक्ति को संदर्भित करता था जो एक mechanical कैलकुलेटर का उपयोग करके संख्यात्मक (numerical) गणना करता था।

तब से, परिभाषा एक मशीन के रूप में बदल गई है, न कि एक व्यक्ति जो इनपुट स्वीकार करता है, डेटा को प्रोसेस करता है, डेटा स्टोर करता है और आउटपुट उत्पन्न करता है।



www.tutorialinhindi.com

कंप्यूटर का इतिहास

History of Computer in Hindi

मूल रूप से, कंप्यूटर का इतिहास 200 वर्षों से अधिक पुराना है। 19वीं शताब्दी के दौरान गणितज्ञों और उद्यमियों द्वारा पहली बार mechanical गणना करने वाली मशीनों को तेजी से जटिल संख्या-क्रंचिंग चुनौतियों को हल करने के लिए डिजाइन और निर्मित किया गया था।

20वीं शताब्दी की शुरुआत तक Technology-सक्षम कभी अधिक जटिल कंप्यूटरों की उन्नति और कंप्यूटर बड़े और अधिक शक्तिशाली हो गए।

भारत में कंप्यूटर का इतिहास (Computer History in India)

भारत में कंप्यूटिंग का इतिहास 1955 में शुरू हुआ, जब कलकत्ता (Calcutta) में भारतीय सांख्यिकी संस्थान (ISI) में A.D. बूथ द्वारा डिज़ाइन किया गया HEC-2M स्थापित किया गया था। 1955 में, रंगास्वामी नरसिम्हन की अध्यक्षता वाली एक टीम ने बॉम्बे में टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (TIFR) में एक डिजिटल कंप्यूटर का डिजाइन और निर्माण शुरू किया।



भारत में कंप्यूटर का इतिहास

TIFRAC

मूल रूप से, भारत में पहला कंप्यूटर *Tata Institute of Fundamental Research* (TIFR) में था। इसे पूर्व प्रधान मंत्री **जवाहरलाल नेहरू** द्वारा TIFRAC (टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च ऑटोमैटिक कैलकुलेटर) नाम दिया गया था।

21 जनवरी 1969 को, **विक्रम साराभाई** द्वारा भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (BARC) में भारत में निर्मित **पहला इलेक्ट्रॉनिक डिजिटल कंप्यूटर** चालू किया गया था।

भारत ने अपना पहला कंप्यूटर **1956** में **10 लाख रुपये** की रियासत में खरीदा था। इसे **HEC-2M** कहा जाता था और कलकत्ता (Calcutta) के भारतीय सांख्यिकी संस्थान में स्थापित किया गया था। यह एक नंबर क्रंचिंग मशीन से ज्यादा कुछ नहीं था और आकार में बहुत बड़ा था।

- **TIFRAC** (टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च ऑटोमैटिक कैलकुलेटर) मुंबई में टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च में **भारत में विकसित पहला कंप्यूटर था।**

Early Computing Devices History in Hindi

कंप्यूटर के आविष्कार से पहले लोग पत्थर, लाठी और हड्डियों को गिनने के उपकरण के रूप में इस्तेमाल करते थे। उन्नत technology के रूप में अधिक कंप्यूटिंग उपकरणों का उत्पादन किया गया और समय के साथ मानव बुद्धि में सुधार हुआ।

कंप्यूटिंग उपकरणों	आविष्कारक	विवरण
अबेकस	टिम क्रैनमर	Tim Cranmer को एक मजबूत गणना मशीन अबेकस का श्रेय दिया जाता है। यह कम से कम 1100 ईसा पूर्व का है और आज भी उपयोग में है।
नैपियर बोन्स	जॉन नेपियर	1614 में, जॉन नेपियर ने लघुगणक का आविष्कार किया। नैपियर बोन्स , जिन्हें नेपियर छड़ें भी कहा जाता है।
पास्कलाइन	ब्लेज़ पास्कल	Pascaline का आविष्कार 1642 में Blaise Pascal ने किया था। इसे पहला यांत्रिक और स्वचालित कैलकुलेटर माना जाता है।
स्टेप रेकोनर या लीबनिज व्हील	गॉटफ्राइड विल्हेम लाइबनिज	1673 में गॉटफ्राइड विल्हेम लाइबनिज ने इस उपकरण को बनाने के लिए पास्कल के आविष्कार में सुधार किया। यह एक डिजिटल मैकेनिकल कैलकुलेटर था।

अंतर इंजन	चार्ल्स बैबेज	1820 के दशक की शुरुआत में, चार्ल्स बैबेज ने डिफरेंस इंजन बनाया। यह एक यांत्रिक कंप्यूटर था जो बुनियादी संगणना कर सकता था।
एनालिटिकल इंजन	चार्ल्स बैबेज	चार्ल्स बैबेज ने 1830 में एक और गणना मशीन, विश्लेषणात्मक (analytical) इंजन बनाया। यह एक यांत्रिक कंप्यूटर था जो पंच कार्ड से इनपुट लेता था।
टेबुलेटिंग मशीन	हरमन होलेरिथ	टेबुलेटिंग मशीन का आविष्कार वर्ष 1890 में हरमन होलेरिथ ने किया था। टेबुलेटिंग मशीन एक पंच कार्ड आधारित यांत्रिक टेबुलेटर थी।
डिफरेंशियल एनालाइजर	वैनेवर बुश	डिफरेंशियल एनालाइजर वैनेवर बुश ने 1930 में <i>पहला इलेक्ट्रिकल कंप्यूटर, डिफरेंशियल एनालाइजर</i> पेश किया था।
हार्वर्ड मार्क I	हॉवर्ड ऐकेन	मार्क I का वजन पांच टन था और यह 50 फीट लंबा था। यह हार्वर्ड के स्नातक छात्र हॉवर्ड ऐकेन के दिमाग की उपज थी, जिन्होंने इसे 1937 में डिजाइन किया था।

Generations History of Computer in Hindi

Computer के इतिहास को अक्सर **पांच पीढ़ियों (generations)** में विभाजित किया जाता है:

कंप्यूटर की पीढ़ियां	जनरेशन टाइमलाइन	विकासशील हार्डवेयर
पहली पीढ़ी	1940 से 1950 के दशक	Vacuum tube आधारित
दूसरी पीढ़ी	1950 से 1960 के दशक	Transistor आधारित
तीसरी पीढ़ी	1960 से 1970 के दशक	Integrated circuit आधारित
चौथी पीढ़ी	1970-वर्तमान	Microprocessor आधारित
पांचवीं पीढ़ी	वर्तमान और भविष्य	Artificial intelligence आधारित

कंप्यूटर की पीढ़ियां

चलिए अब शुरू से जानते हैं कंप्यूटर का पूरा इतिहास –

- [कंप्यूटर जनरेशन की पूरी जानकारी यहाँ है।](#)

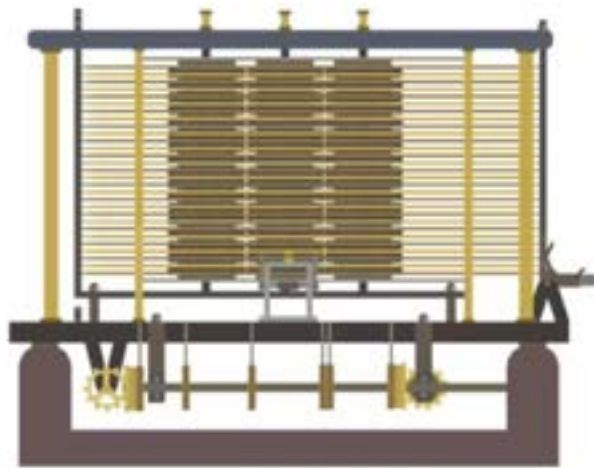
कंप्यूटर का पूर्व इतिहास (Early History of

Computer Hindi)

अबेकस (abacus) सबसे शुरुआती और सबसे प्रसिद्ध उपकरणों में से एक था। फिर 1822 में, कंप्यूटर के जनक, **चार्ल्स बैबेज** ने पहला यांत्रिक कंप्यूटर विकसित करना शुरू किया।

और फिर 1833 में उन्होंने वास्तव में एक **Analytical Engine** तैयार किया जो एक general-purpose वाला कंप्यूटर था।

इसमें एक ALU, कुछ बुनियादी प्रवाह चार्ट सिद्धांत और एकीकृत मेमोरी की अवधारणा शामिल थी।



Analytical Engine: Charles Babbage

EARLY HISTORY OF COMPUTER

www.tutorialinhindi.com

Analytical Engine

फिर कंप्यूटर के इतिहास में एक सदी से भी अधिक समय बाद, हमें अपना पहला इलेक्ट्रॉनिक कंप्यूटर सामान्य प्रयोजन के लिए मिला। यह **ENIAC** था, जो **इलेक्ट्रॉनिक न्यूमेरिकल इंटीग्रेटर और कंप्यूटर** के लिए है।

इस कंप्यूटर के आविष्कारक John W. Mauchly और J.Presper Eckert थे।

19वीं सदी का कंप्यूटर का इतिहास

1801: Joseph Marie Jacquard, एक फ्रांसीसी व्यापारी और आविष्कारक ने एक करघे का आविष्कार किया जो कपड़े के डिजाइनों को स्वचालित रूप से बुनने के लिए punched wooden के कार्ड का उपयोग करता है। शुरुआती कंप्यूटर इसी तरह के **पंच कार्ड** का इस्तेमाल करते थे।

1821: अंग्रेजी गणितज्ञ Charles Babbage ने एक **भाप से चलने वाली गणना मशीन** की कल्पना की जो संख्याओं की तालिका की गणना करने में सक्षम होगी। उस समय technology की कमी के कारण "Difference Engine" का विचार विफल हो गया।

1848: **Ada Lovelace**, एक अंग्रेजी गणितज्ञ और कवि Lord Byron की बेटी, ने दुनिया का **पहला कंप्यूटर प्रोग्राम लिखा**। लवलेस में बैबेज की मशीन का उपयोग करके बर्नौली नंबरों की गणना करने के तरीके पर एक चरण-दर-चरण ट्यूटोरियल भी शामिल थे।

1853: Swedish आविष्कारक पर Georg Scheutz और उनके बेटे Edvard ने दुनिया का पहला **प्रिंटिंग कैलकुलेटर** डिज़ाइन किया। यूटा सी के अनुसार, "सारणीबद्ध अंतरों की गणना और परिणामों को प्रिंट करने वाली" पहली होने के लिए मशीन महत्वपूर्ण है।

1890: Herman Hollerith ने 1890 की अमेरिकी जनगणना की गणना में मदद के लिए एक **पंच-कार्ड प्रणाली** तैयार की। मशीन, गणना के कई वर्षों सरकार, और U.S को बचाता है।

20वीं सदी की शुरुआत का कंप्यूटर इतिहास

20वीं सदी की शुरुआत में कंप्यूटर के इतिहास में कई विकास हुए। जो हैं:

1931 – 1937 History of Computer in Hindi

1931: मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (MIT) में, Vannevar Bush ने **डिफरेंशियल एनालाइजर** का आविष्कार और निर्माण किया, **स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी** के अनुसार पहला बड़े पैमाने पर स्वचालित सामान्य-उद्देश्य mechanical एनालॉग कंप्यूटर।

1936: एक ब्रिटिश वैज्ञानिक और गणितज्ञ [Alan Turing](#), एक सार्वभौमिक मशीन के सिद्धांत को प्रस्तुत करते हैं, जिसे बाद में ट्यूरिंग मशीन कहा जाता है, क्रिस बर्नहार्ट की पुस्तक "Turing's Vision" के अनुसार "On Computable Numbers..." नामक पेपर में। (MIT प्रेस, 2017)।

1937: आयोवा स्टेट यूनिवर्सिटी में भौतिकी और गणित (physics) के प्रोफेसर John Vincent Atanasoff ने gears, cams, belts या shafts का उपयोग किए बिना पहला **इलेक्ट्रिक-ओनली कंप्यूटर** बनाने के लिए अनुदान प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

- यह भी पढ़ें: [बाइनरी नंबर सिस्टम क्या है? पूरी जानकारी](#)

1941 – 1949 History of Computer in Hindi

1941: Gerard O'Regan की पुस्तक "A Brief History of Computing" (स्प्रिंगर, 2021) के अनुसार, जर्मन आविष्कारक और इंजीनियर **कोनराड ज्यूस** ने अपनी **Z3 मशीन**, दुनिया का सबसे पहला डिजिटल कंप्यूटर पूरा किया। मशीन द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान बर्लिन पर बमबारी के दौरान नष्ट हो गई थी।

1942: Atanasoff और उनके graduate छात्र, Clifford Berry ने अमेरिका में **पहला डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक कंप्यूटर डिज़ाइन किया**, जिसे Atanasoff-Berry कंप्यूटर या ABC कहा जाता है। यह पहली बार चिह्नित करता है कि कोई कंप्यूटर अपनी [मुख्य मेमोरी](#) पर जानकारी संग्रहीत करने में सक्षम है।

1945: Pennsylvania विश्वविद्यालय के दो प्रोफेसर, J. Presper Eckert और John Mauchly, **इलेक्ट्रॉनिक न्यूमेरिकल इंटीग्रेटर एंड कैलकुलेटर** (ENIAC) का डिज़ाइन और निर्माण करते हैं।

Edwin D. Reilly की पुस्तक "Milestones in Computer Science and Information Technology" (ग्रीनवुड प्रेस, 2003) के अनुसार मशीन पहला "automatic, general-purpose, electronic, decimal, digital computer" है।

ENIAC Computer History in Hindi

ENIAC (Image credit: Google/image)

1946: Mauchly और Presper पेन्सिलवेनिया विश्वविद्यालय छोड़ देते हैं और Census Bureau से UNIVAC, व्यापार और सरकारी अनुप्रयोगों के लिए पहला व्यावसायिक कंप्यूटर बनाने के लिए धन (funding) प्राप्त करते हैं।

1947: Bell Laboratories के William Shockley, John Bardeen और Walter Brattain ने ट्रांजिस्टर ([transistor](#)) का आविष्कार किया। वे खोजते हैं कि कैसे ठोस पदार्थों के साथ और बिना वैक्यूम की आवश्यकता के एक इलेक्ट्रिक स्विच बनाया जाए।

1949: इस साल, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय की एक टीम ने **इलेक्ट्रॉनिक डिले स्टोरेज ऑटोमैटिक कैलकुलेटर** (EDSAC) विकसित किया, जो O'Regan के अनुसार "पहला व्यवहारिक संग्रहित प्रोग्राम कंप्यूटर" है।

- ये था 20वीं सदी के शुरुआती कंप्यूटर का इतिहास (Early 20th Century History of Computer in Hindi)। आइए अब आगे की इतिहास जानते हैं –

कंप्यूटर का 20वीं सदी के अंत का इतिहास

वर्ष 1950 से 1999 तक कंप्यूटर का कई विकास हुआ था। आइए कंप्यूटर का 20वीं सदी के अंत का इतिहास जानते हैं –

1953: इस वर्ष में, [Grace Hopper](#) ने पहली [कंप्यूटर भाषा](#) विकसित की, जिसे COBOL के रूप में जाना जाता है, जो अमेरिकी इतिहास के राष्ट्रीय संग्रहालय के अनुसार Common, बिजनेस-ओरिएंटेड लैंग्वेज के लिए है।

1954: MIT के अनुसार, जॉन बैकस और IBM में प्रोग्रामरों की उनकी टीम ने अपनी नई बनाई गई FORTRAN प्रोग्रामिंग भाषा का वर्णन करते हुए एक पेपर प्रकाशित किया, जो फॉर्मूला ट्रांसलेशन के लिए एक संक्षिप्त शब्द है।

1958: इस वर्ष में, Jack Kilby और Robert Noyce ने integrated circuit का अनावरण किया, जिसे computer chip के रूप में जाना जाता है। किल्बी को बाद में उनके काम के लिए भौतिकी में नोबेल पुरस्कार

से सम्मानित किया गया।

1968: Douglas Engelbart ने Fall Joint Computer Conference, सैन फ्रांसिस्को में आधुनिक कंप्यूटर के एक प्रोटोटाइप (prototype) का खुलासा किया।

1969: केन थॉम्पसन, डेनिस रिची और बेल लैब्स के अन्य डेवलपर्स के एक समूह ने [UNIX ऑपरेटिंग सिस्टम](#) का उत्पादन किया। UNIX के पीछे की टीम ने [C प्रोग्रामिंग लैंग्वेज](#) का उपयोग करके ऑपरेटिंग सिस्टम को विकसित करना जारी रखा, जिसे उन्होंने अनुकूलित भी किया। ([C भाषा का इतिहास यहां है](#))

यह भी पढ़ें:

1970 – 1979 History of Computer in Hindi

1970 में, नवगठित Intel ने Intel 1103, पहली डायनामिक एक्सेस मेमोरी (DRAM) चिप का अनावरण किया। 1971 में, एलन शुगार्ट ने "फ्लॉपी डिस्क" का आविष्कार किया, जिससे डेटा को विभिन्न कंप्यूटरों के बीच साझा किया जा सके।

- [RAM की पूरी जानकारी यहाँ है।](#)

1972: अमेरिका के कंप्यूटर संग्रहालय के अनुसार, जर्मन-अमेरिकी इंजीनियर राल्फ बेयर ने सितंबर 1972 में मैग्नावॉक्स ओडिसी, दुनिया का पहला होम गेम कंसोल जारी किया। दुनिया का पहला व्यावसायिक रूप से सफल वीडियो गेम।

1973: Xerox के अनुसंधान स्टाफ के एक सदस्य Robert Metcalfe ने कई कंप्यूटरों और अन्य [हार्डवेयर](#) को जोड़ने के लिए **ईथरनेट** (Ethernet) विकसित किया।

1976: Steve Jobs और स्टीव वोज्नियाक ने April Fool's Day पर **Apple कंप्यूटर** की सह-स्थापना की। MIT के अनुसार, उन्होंने **सिंगल-सर्किट बोर्ड** और ROM (रीड ओनली मेमोरी) वाला पहला कंप्यूटर, **Apple I** का अनावरण किया।

Apple I Computer history Hindi

Apple I (Image credit: Google/image)

1978 में, VisiCalc, पहला **कम्प्यूटरीकृत स्प्रेडशीट** (spreadsheet) प्रोग्राम पेश किया गया है। और 1979 में, माइक्रोप्रो इंटरनेशनल, सॉफ्टवेयर इंजीनियर सीमोर रुबेनस्टीन द्वारा स्थापित, दुनिया का पहला व्यावसायिक रूप से सफल word processor वर्डस्टार जारी करता है।

1980 – 1989 History of Computer

1981: "**Acorn**" IBM का पहला पर्सनल कंप्यूटर, आईबीएम के अनुसार \$1,565 के मूल्य बिंदु पर बाजार में जारी किया गया। जिसमें एक Intel

CPU, दो floppy drives और एक colour display है। Microsoft के MS-DOS ऑपरेटिंग सिस्टम का उपयोग Acorn द्वारा किया जाता है।

1983: CD-ROM, जो 550 मेगाबाइट पूर्व-रिकॉर्डेड डेटा ले जा सकता था, बाजार में आया। Apple Lisa (लोकल इंटीग्रेटेड सॉफ्टवेयर आर्किटेक्चर), **GUI की सुविधा देने वाला पहला पर्सनल कंप्यूटर है।** मशीन में drop-down menu और icons भी शामिल थे। इस वर्ष भी, Gavilan SC जारी किया गया है और flip-form डिज़ाइन वाला पहला पोर्टेबल कंप्यूटर है और **"लैपटॉप"** के रूप में बेचा जाने वाला **पहला कंप्यूटर है।**

1984: एक सुपरबाउल विज्ञापन के दौरान दुनिया के लिए Apple Macintosh की घोषणा की गई। [NMAH](#) के मुताबिक, मैकिंटोश को \$2,500 डॉलर के खुदरा मूल्य के साथ लॉन्च किया गया था।

1985: Apple Lisa के GUI की प्रतिक्रिया के रूप में, **Microsoft ने नवंबर 1985 में विंडोज जारी किया, [Guardian reported](#)**। जो ग्राफिकल यूजर इंटरफेस के माध्यम से मल्टीटास्किंग को सक्षम बनाता है। इसके अलावा, [प्रोग्रामिंग भाषा C++](#) जारी की गई थी।

1989: यूरोपियन ऑर्गेनाइज़ेशन फ़ॉर न्यूक्लियर रिसर्च (सर्न) के एक ब्रिटिश शोधकर्ता Tim Berners-Lee ने वर्ल्ड वाइड वेब (WWW) बनने के लिए अपना प्रस्ताव प्रस्तुत किया। उनका पेपर [हाइपर टेक्स्ट मार्कअप लैंग्वेज \(HTML\)](#), वेब के बिल्डिंग ब्लॉक्स के लिए उनके विचारों का विवरण देता है।

1990 – 1999 History of Computer

1990 – टिम बर्नर्स-ली ने [एचटीएमएल](#) बनाई, जिसे व्यापक रूप से HTML के रूप में जाना जाता है। उन्होंने "वर्ल्ड वाइड वेब" शब्द भी गढ़ा। इसमें पहला ब्राउज़र, एक सर्वर, HTML और URL शामिल हैं।

1993: Pentium microprocessor पीसी पर ग्राफिक्स और संगीत के लिए उपयोग किया गया था।

1995: माइक्रोसॉफ्ट का विंडोज 95 ऑपरेटिंग सिस्टम जारी किया गया। Sun Microsystems ने जावा 1.0 पेश किया, इसके बाद नेटस्केप कम्युनिकेशंस का [जावास्क्रिप्ट](#) आया।

1996: Sergey Brin और Larry Page ने Stanford University में **Google search engine** विकसित किया।

1997: Microsoft ने Apple में \$150 मिलियन का निवेश किया, जो उस समय आर्थिक रूप से संघर्ष कर रहा था। यह निवेश एक चल रहे अदालती मामले को समाप्त करता है जिसमें Apple ने Microsoft पर अपने ऑपरेटिंग सिस्टम की नकल करने का आरोप लगाया था।

1998: Apple ने iMac, एक ऑल-इन-वन Macintosh डेस्कटॉप कंप्यूटर पेश किया। इन पीसी की कीमत \$1,300 थी और ये 4GB हार्ड ड्राइव, 32MB RAM, एक CD-ROM और 15-इंच के मॉनिटर के साथ आते थे।

1999: Wi-Fi, "wireless fidelity" को विकसित किया गया था, जो शुरुआत में 300 फीट (91 मीटर) तक की दूरी को कवर करता है।

21वीं सदी का कंप्यूटर का इतिहास

2000: इस वर्ष **USB फ्लैश ड्राइव** को पहली बार पेश किया गया।

2001: Mac OS X, जिसे बाद में OS X के नाम से बदलकर केवल macOS कर दिया गया, Apple द्वारा अपने मानक Mac ऑपरेटिंग सिस्टम के उत्तराधिकारी के रूप में जारी किया गया।

2003: AMD का Athlon 64, पर्सनल कंप्यूटर के लिए पहला 64-बिट प्रोसेसर, ग्राहकों के लिए जारी किया गया।

2004: इस वर्ष में, Mozilla Corporation ने **Mozilla Firefox 1.0** लॉन्च किया। वेब ब्राउज़र Microsoft के स्वामित्व वाले Internet Explorer की पहली बड़ी चुनौतियों में से एक है। इसी वर्ष **facebook** की शुरुआत एक सोशल नेटवर्किंग वेबसाइट के रूप में भी हुई।

2005: Google ने Android को खरीदा, जो एक Linux-आधारित मोबाइल फ़ोन ऑपरेटिंग सिस्टम है।

2006: Apple का MacBook Pro उपलब्ध था। Pro कंपनी का पहला Intel-आधारित, dual-core मोबाइल कंप्यूटर है।

2007: पहला iPhone Apple द्वारा निर्मित किया गया था, जिससे कई कंप्यूटर ऑपरेशन हमारे हाथों में आ गए। Amazon ने 2007 में पहली इलेक्ट्रॉनिक रीडिंग सिस्टम में से एक किंडल भी जारी किया।

2009: Microsoft ने 22 जुलाई को कई विशेषताओं के साथ **विंडोज 7** लॉन्च किया।

2010: iPad, Apple का फ्लैगशिप हैंडहेल्ड **टैबलेट**, का अनावरण किया गया।

2011: Google ने Chrome ब्रुक जारी किया, जो Google Chrome OS पर चलता है।

2014: यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन माइक्रो मोट (M3), दुनिया का सबसे छोटा कंप्यूटर बनाया गया।

2015: Apple ने **Apple watch** पेश की। इसी साल माइक्रोसॉफ्ट ने **विंडोज 10** भी जारी किया था।

2016: दुनिया का पहला reprogrammable quantum computer बनाया गया।

2017: रक्षा उन्नत अनुसंधान परियोजना एजेंसी (DARPA) एक नया "Molecular Informatics" कार्यक्रम विकसित कर रही है जो कंप्यूटर के रूप में अणुओं का उपयोग करता है।

Free Computer Fundamentals Course Hindi

अभी हमारा फ्री कंप्यूटर फंडामेंटल कोर्स सीखना शुरू करें और अपने आप को आवश्यक डिजिटल कौशल से लैस करें! technology में महारत हासिल करने और अपने कंप्यूटर ज्ञान को बढ़ाने के लिए नीचे दिए गए बटन में क्लिक करके अभी सीखना शुरू करें:

[Computer Fundamentals in Hindi](#)

FAQs about Computer History in Hindi

यहां कंप्यूटर इतिहास के बारे में कुछ सामान्य अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न दिए गए हैं:

पहला कंप्यूटर का इतिहास क्या है?

पहले कंप्यूटर को अक्सर 1830 के दशक में चार्ल्स बैबेज द्वारा परिकल्पित विश्लेषणात्मक इंजन के लिए जिम्मेदार ठहराया जाता है, हालांकि यह कभी भी पूरी तरह से निर्मित नहीं हुआ था। 1940 के दशक में निर्मित इलेक्ट्रॉनिक न्यूमेरिकल इंटीग्रेटर एंड कंप्यूटर (ENIAC) को पहले पूर्णतः कार्यात्मक इलेक्ट्रॉनिक कंप्यूटरों में से एक माना जाता है।

आधुनिक कंप्यूटिंग का जनक किसे माना जाता है?

चार्ल्स बैबेज को अक्सर विश्लेषणात्मक इंजन, एक प्रारंभिक यांत्रिक

कंप्यूटर अवधारणा, के डिजाइन के लिए "कंप्यूटर के जनक" के रूप में जाना जाता है।

पहला प्रोग्रामेबल कंप्यूटर का आविष्कार कब और कहाँ हुआ था?

पहला प्रोग्रामयोग्य कंप्यूटर Z3 था, जिसे 1941 में जर्मनी में कोनराड जूस द्वारा बनाया गया था।

पूर्व कंप्यूटर आधुनिक कंप्यूटर से किस प्रकार भिन्न थे?

पूर्व कंप्यूटर बड़े, महंगे, कम शक्तिशाली थे और मुख्य रूप से गणना जैसे विशिष्ट कार्यों के लिए उपयोग किए जाते थे। आधुनिक कंप्यूटर छोटे, अधिक शक्तिशाली, बहुमुखी हैं और कई प्रकार के कार्य कर सकते हैं।

पूर्व कंप्यूटर के मुख्य उद्देश्य क्या थे?

प्रारंभिक कंप्यूटरों का उपयोग मुख्य रूप से जटिल गणनाओं, क्रिप्टोग्राफी और वैज्ञानिक या सैन्य समस्याओं को हल करने के लिए किया जाता था।

निष्कर्ष

कंप्यूटर का इतिहास अबेकस (Abacus) से शुरू होता है जिसे पहला कंप्यूटर माना जाता है। दिलचस्प बात यह है कि अबेकस का उपयोग अभी भी किया जाता है। ऐसा कहा जाता है कि लगभग 4,000 साल पहले चीनियों ने अबेकस का आविष्कार किया था।

मूल रूप से, डिजिटल कंप्यूटर का आधुनिक युग 1930 के दशक के अंत और 1940 के दशक के प्रारंभ में संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन और जर्मनी में शुरू हुआ था।

मुख्य रूप से, भारत में कंप्यूटर का इतिहास **1950** के दशक से शुरू हुआ। भारत में डिजिटल कंप्यूटर बनाने वाले पहले समूह का नेतृत्व आर **नरसिम्हन**

ने टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (TIER), बॉम्बे में किया था।
1955 में TIFR समूह ने एक कंप्यूटर का निर्माण शुरू किया, जिसका नाम
TIFR ऑटोमैटिक कंप्यूटर (TIFRAC) है, और इसे 1959 में पूरा किया।

मुझे उम्मीद है कि यह लेख "History of Computer in Hindi –
कंप्यूटर का इतिहास भारत में" आपको कंप्यूटर के पूरे इतिहास को समझने
में मदद करेगा।